पाठ 14. अंतिम युद्ध

पाठ का उद्देश्य

भारत में कई ऐसी वीरांगनाएँ हुई हैं जिन्होंने अपने अदम्य साहस के बलबूते इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करवाया। उनमें से एक वीरांगना हैं–झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य रानी लक्ष्मीबाई की वीरता, निडरता, देश-प्रेम एवं मातृत्व से परिपूर्ण व्यक्तित्व से बच्चों को परिचित कराना है।

पाठ का सारांश

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई अपना अंतिम युद्ध लड़ने जा रही हैं। रानी लक्ष्मीबाई ने दामोदर को सुरक्षित दक्षिण पहुँचा देने का ज़िम्मा रामचंद्र देशमुख को सौंपा। रानी जूही को तोपखाने पर जाने का आदेश देती हैं। रानी लक्ष्मीबाई बड़ी वीरता से अंग्रेज़ों की सेना का सामना करती हैं। रानी की तलवारों ने अंग्रेज़ों की सेना के छक्के छुड़ा दिए। लड़ते-लड़ते अचानक एक कटार रानी के सीने में जा लगी परंतु रानी ने साहस नहीं छोड़ा। उसके बाद रानी को गोली भी लगी किंतु वे उसी बहादुरी से लड़ती रहीं। अंत में एक अंग्रेज़ सैनिक रानी पर तलवार का वार करता है और रानी बुरी तरह घायल हो जाती हैं। रानी लक्ष्मीबाई नहीं चाहती थीं कि मरने के बाद उनकी काया अंग्रेज़ों के हाथ लगे इसलिए रानी के वफ़ादार सैनिक उन्हें बाबा गंगादास की कुटी पर ले जाते हैं। वहाँ रानी लक्ष्मीबाई अपनी अंतिम साँस लेती हैं। रानी लक्ष्मीबाई की बहादुरी के किस्से आज भी गाए-सुनाए जाते हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पहले **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे प्रश्नों पर बातचीत करें। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। पाठ के महत्त्वपूर्ण अंशों एवं पंक्तियों का अर्थ समझाएँ। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ। उन्हें रानी लक्ष्मीबाई के बारे में बताएँ कि जब वे मात्र चार वर्ष की थीं तब उनकी माता का देहांत हो गया था। रानी लक्ष्मीबाई का पालन-पोषण उनके नाना के घर हुआ। बचपन में लोग उन्हें 'मनु' तथा 'छबीली' नामों से पुकारते थे। उनका विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ था। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई एक निडर वीरांगना थीं। उन्होंने अंग्रेज़ों की अधीनता स्वीकार नहीं की और झाँसी को बचाने के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- ❖ बच्चों से भारत की कुछ और वीरांगनाओं के नाम पूछें।
- ❖ पूछें, रानी लक्ष्मीबाई आपको किस प्रकार प्रेरित करती हैं?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।